

प्रथम नियुक्ति के समय अचल संपत्ति का विवरण वर्ष 1988 - 1985

1. अधिकारी/कर्मचारी का पूरा नाम श्री. वि. उमा देवी 2. वर्तमान धारित पद उप निदेशिका 3. कार्यालय का नाम EE (Ent-C) Dh. I  
उदाला 4. वर्तमान वेतन 32830 + 6600 5. भविष्य निधि क्रमांक 2557 3006 6. कर्मचारी संख्या 91381341

उक्त जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, जिसमें संपत्ति स्थित हो	संपत्ति का नाम तथा ब्यौरे		वर्तमान मूल्य	यदि स्वयं के नाम पर न हो तो बतलाइये कि वह किसके नाम पर धारित है और उसका मंडल अधिकारी/कर्मचारी से क्या संबंध है	उसे किस प्रकार अर्जित किया गया खरीद, पट्टा, बंधक विरासत, भेंट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जितकी गई हो उसका नाम तथा पता	संपत्ति से वार्षिक आय	अभ्युक्ति
	गृह तथा अन्य भवन	भूमि					
1	2	3	4	5	6	7	8
गुज	गृह (मकान) <u>40x50sqft</u> <u>श्री. वि. उमा देवी</u> <u>गुज</u>	—	35.0 लाख	हस्त	PMB लाज <u>वर्ष 2000 (2010)</u>	1.25 लाख	—

हस्ताक्षर [Signature]  
 नाम श्री. वि. उमा देवी  
 पद उप निदेशिका

- \* जहाँ लागू न हो काट दीजिए
- \*\* ऐसे मामले में जहाँ मूल्य का सही-सही निर्धारण करना संभव न हो, वहाँ वर्तमान स्थिति के संदर्भ में लगभग मूल्य बतलाया जाए
- \*\*\* इसमें अल्पव्ययीय पट्टे भी सम्मिलित हैं

टिप्पणी-सर्वेक्षक द्वारा ग्राह्य मंत्र शासकीय सेवक (आधारण) नियम, 1985 के नियम 19(1) के अधीन प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा तृतीय श्रेणी सेवा को प्रत्येक सदस्य से यह अपेक्षित है कि वह सेवा में पहली नियुक्ति के समय और उसके बाद प्रत्येक 12 महीने की अवधि के पर्यन्त यह घोषणा पत्र भरकर प्रस्तुत करे और उसमें वह उसके स्वामित्व को तथा उसके द्वारा अर्जित अथवा उसे विरासत में मिली या उसके अपने नाम पर या उसके परिवार के किसी सदस्य के नाम पर अथवा किसी अन्य व्यक्ति के नाम से पट्टे या बंधक पर धारित स्थावर (अचल) संपत्ति का विवरण देवे।